agriculture whereas this sector receives lesser importance comparatively. Therefore, I request the Government to view the contribution of MSMEs to the country's GDP equivalent to agriculture and take necessary steps to ease the procedures for the issue of loan for this sector. Also, the Government should instruct those nationalised banks and financial institutions to provide loan up to one crore of rupees without collateral security under Credit Guarantee Fund. Trust Loan to save this Sector from the meltdown impact. Thank you, Sir.

SHRI S.S, AHLUWALIA (Jharkhand): Sir, while associating myself with this Special Mention, I would like to add only one line. Sir, it is not only the term loan but for working capital also. In the absence of working capital loan, the term loan goes sick. Please ensure that people under this category also get working capital loan. Thank you.

Delay in Completion of the Commonwealth Games Project

श्री जय प्रकाश नारायण सिंह (झारखंड) : महोदय, मैं आपके माध्यम से सरकार का ध्यान दिल्ली में अगले साल 3 से 14 अक्टूबर, 2010 को होने वाले कॉमनवेल्थ गेम्स की तरफ आकर्षित करना चाहता हूं। खेल के आयोजन में डेढ़ साल से भी कम का समय बचा है, लेकिन अभी तक खेल आयोजन स्थल बनकर तैयार नही हुए है। विभिन्न परियोजनाओं की कार्य प्रगति लक्ष्य से बहुत पीछे चल रही है। कार्य प्रगति की स्थिति 6 प्रतिशत से लेकर 50 प्रतिशत तक है, जो बहुत ही चिंता का विषय है। समय कम बचा होने के कारण अब निर्माण कार्य में जुटी एजेंसियां हड़बड़ी में काम कर रही हैं। दिनांक 12 जुलाई को दिल्ली मैट्रो का पुल ढहना और 13 जुलाई को दोबारा उसी स्थान पर फिर से दुर्घटना घटना इसका उदाहरण है।

महोदय, एक हिंदी दैनिक ने एक सीरीज छापकर कॉमनवेल्थ खेलों की तैयारी में हुए विलम्ब से जुडे अनेक तथ्य उजागर किए हैं। तैयारियों के लिए सरकार ने सात हज़ार करोड़ रुपए के बजट को बढ़ाकर आठ हजार करोड़ रुपए कर दिया है। धन की कमी न होने के बाद भी आखिर देश की प्रतिष्ठा से जुड़े इस महत्वाकांक्षी खेल प्रयोजन को हल्के में क्यों लिया गया? मै सरकार से मांग करता हूं कि खेल आयोजन की तैयारियों में विलम्ब क्यों हुआ, इसके लिए कौन लोग जिम्मेदार हैं? मै यह भी मांग करता हूं कि देश की प्रतिष्ठा बढ़ाने के लिए कॉमनवेल्थ खेलों की तैयारियों में और तेजी लाई जाए, यदि कहीं कोई कमी रह गई है, तो उसे पूरा किया जाए।

यह कॉमनवेल्थ गेम्स भारत के मान-सम्मान से जुड़ा हुआ है। चार वर्ष से इसकी तैयारी चल रही है, उसके बावजूद भी यह अपने निर्धारित लक्ष्य को पाने में अभी काफी पीछे है। यह खेल के कार्य की प्रगति की शिथिलता को दर्शाता है। इसमें लोग गंभीरता से नहीं लगे हुए हैं, जिसके चलते खेल का बजट तय किया गया था, उसको दो-दो बार बढ़ाया गया है। यह राशि पांच हजार करोड़ से आठ हजार करोड़ तक पहुंच गई है। क्या सरकार कॉमनवेल्थ गेम्स करा पाएगी या नहीं? जो स्थिति चल रही है, उससे तो साफ नज़र आता है कि इसमें जुड़ी हई निर्माण कंपनियां घटिया काम कर रही हैं, जिससे बार-बार दुर्घटना तथा जान-माल की क्षति हो रही है। इसकी जवाबदेही निर्धारित की जाए तथा इसके घटिया कामकाज की सीधे जांच की जाए, ताकि गलत काम करने वालों को दंड मिल सके।

MR. DEPUTY CHAIRMAN: The House stands adjourned till 11.00 a.m. on Thursday, the 16th July, 2009.

The House then adjourned at nineteen minutes past seven of the clock,
till eleven of the clock on Thursday, the 16th July, 2009.